भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 5589

जिसका उत्तर 06 अप्रैल, 2022 को दिया जाना है

कोयला धोवनशाला

5589. श्रीमती मंजुलता मंडल:

श्री जी. सेल्वम:

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

श्री कुलदीप राय शर्मा:

श्री गजानन कीर्तिकर:

श्री सी.एन. अन्नादुरई:

श्री गौतम सिगामणि पोन:

डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कोयला धोवनशाला की स्थापना के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदंड क्या हैं;

(ख) वर्तमान में स्थापित और कार्यशील कोयला धोवनशाला का राज्य-वार और कोल इंडिया लिमिटेड/सहायक कंपनी/कंपनी-वार ब्यौरा क्या है और वाशरी चलाने के लिए किए गए वार्षिक व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या नई कोयला धोवनशाला की स्थापना में अत्यधिक विलंब हुआ है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ड.) उक्त प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या आवश्यक कदम उठाए गए हैं;

(च) क्या कोल इंडिया लिमिटेड का अपनी विभिन्न सहायक कंपनियों में कुछ और धोवनशालाएं स्थापित करने का विचार है;

(छ) यदि हां, तो सहायक कंपनी-वार आवंटित निधियों का ब्यौरा क्या है और ये वॉशरी कब तक चालू होंगी; और

(ज) इन धोवनशालाओं की स्थापना से भारत में कोयले के स्तर को सुधारने में किस हद तक मदद मिलेगी?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क): देश में कोल वॉशरीज की स्थापना पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कि इन्हें यथा लागू मंजूरियां मिली हों, और इन्हें उपभोक्ताओं की आवश्यकता के अनुसार स्वेच्छा से स्थापित किया गया हो।

(ख): वर्तमान में स्थापित और कार्यात्मक कोयला वॉशरियों का सहायक कंपनी-वार और राज्य-वार ब्यौरा नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

क्र. सं.	वॉशरी का नाम	स्वामी का नाम	राज्य	श्रेणी
सीआईएल की सहायक कंपनियां				
1.	भोजुडीह	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	कोकिंग
2.	दुग्दा II	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
3.	मोहुदा	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
4.	मूनिडीह	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
5.	मधुबंद	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
6.	दहीबारी	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
7.	पाथेरडीह I	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
8.	कथारा	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
9.	सवांग	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
10.	राजरप्पा	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
11.	केडला	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड	झारखंड	कोकिंग
12.	पिपरवार	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड	झारखंड	गैर-कोकिंग
13.	बीना	नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	उत्तर प्रदेश	गैर-कोकिंग
अन्य कंपनियां				
14	चकबुरा	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग

15	दीपका	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
16	पांडेरपौनी	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड	महाराष्ट्र	गैर-कोकिंग
17	गेवरा	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
18	बिंझारी	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
19	हिमगिर	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	ओडिशा	गैर-कोकिंग
20	रतिजा	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
21	तलचर	आर्यन कोल बेनिफिकेशन प्रा. लिमिटेड	ओडिशा	गैर-कोकिंग
22	एईएल	अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
23	तलचर	आर्यन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	ओडिशा	गैर-कोकिंग
24	आईबी वैली	ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्रा. लिमिटेड	ओडिशा	गैर-कोकिंग
25	तलचर	ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्रा. लिमिटेड	ओडिशा	गैर-कोकिंग
26	मनुगुरु	ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्रा. लिमिटेड	तेलंगाना	गैर-कोकिंग
27	जेपीएल	जिंदल पावर लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
28	वानी	कार्तिकेय कोल वॉशरीज प्रा. लिमिटेड	महाराष्ट्र	गैर-कोकिंग
29	मारुति	मारुति क्लीन कोल एंड पावर लिमिटेड	छत्तीसगढ़	गैर-कोकिंग
30	वेस्ट बोकारो 2	टाटा	झारखंड	कोकिंग
31	वेस्ट बोकारो 3	टाटा	झारखंड	कोकिंग
32	जमाडोबा	टाटा	झारखंड	कोकिंग
33	भेलटांड	टाटा	झारखंड	कोकिंग
34	चासनाला	इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी (आईआईएससीओ)	झारखंड	कोकिंग
35	मनुगुरु	सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल)	तेलंगाना	गैर-कोकिंग

वर्ष 2016 से सीआईएल और एससीसीएल की कार्यात्मक वॉशरीज के लिए वार्षिक व्यय का ब्यौराः-

वार्षिक व्यय रुपये करोड़ में	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**
सीआईएल	3532.7	3019.9	3020.9	2945.6	2351.9
एससीसीएल	56.73	53.15	43.04	31.85	9.66

(ग) से (छ): कुछ प्रस्तावित कोल वॉशरीज की स्थापना में कुछ विलंब हुआ है। आगामी वॉशरीज का ब्यौरा और स्थिति निम्नानुसार है:

क्र. सं.	सहायक कंपनी	वॉशरी	स्थिति	पूरा होने की तारीख	क्षमता (एमटीवाई)	वित्तपोषण रुपये करोड़ में
आगामी (कोकिंग कोल) - पहला चरण						
1	बीसीसीएल	मधुबंद	24.3.2022 को उद्घाटन किया गया		5.0	289.45
2		पाथेरडीह-II	निर्माणाधीन	जून 23	2.5	334.27
3		भोजुडीह न्यू		दिसंबर 22	2.0	341.22
4		मुनिडीह न्यू	निविदा दी गई, मूल्यांकन के अधीन	जून 25	2.5	560.00
5	सीसीएल	न्यू कथारा	एलओआई जारी की गई, लैंड लीज ट्रांसफर के लिए एनओसी प्रतीक्षित है।	दिसंबर 23	3.0	बीओओ अवधारणा के तहत
6		बसंतपुर-तापीन		दिसंबर 23	4.0	
कुल आगामी (कोकिंग कोल)					19.0	
कुल नया (कोकिंग कोल)					25.6	
दूसरे चरण में परिकल्पित कोकिंग कोल वॉशरीज						
1	सीसीएल	न्यू राजरप्पा	निविदा प्रक्रिया के तहत	दिसंबर 25	3.0	बीओओ अवधारणा के तहत
2		तोपा	अवधारणा के तहत	2026-27	4.0	
3		न्यू सवांग		2027-28	1.5	
4		धोरी			2.5	
दूसरे चरण में परिकल्पित कुल कोकिंग कोल वॉशरीज					11.0	
आगामी नॉन-कोकिंग कोल वॉशरी						
1	एमसीएल	आईबी वैली	निर्माणाधीन	जुलाई 22	10	392.75

निर्माण में हुई देरी के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

I. निम्न ग्रेड कोकिंग कोल (डब्ल्यू-IV/एलवीएमसी) से 13% राख सामग्री की धुलाई की तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन करने में लगने वाला समय। यह अध्ययन सीआईएल, सेल (एसएआईएल) और इस्पात क्षेत्र के अन्य उपभोक्ताओं को शामिल करते हुए अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा किया गया था।

II. वॉशरीज और रिजेक्ट हैंडलिंग के लिए भूमि की पहचान में देरी और स्थलों के अधिग्रहण तथा कब्जे में लगने वाला समय।

III. वॉशरी प्रचालकों को बाधा मुक्त भूमि सौंपने में विलम्ब।
IV. वानिकी मंजूरी मिलने में देरी।
V. राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्थापना की सहमति के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से पर्यावरण मंजूरी और अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में विलम्ब।
VI. कुछ मामलों में निविदा/पुन: निविदा में देरी और बोलीदाताओं के सीमित संख्या में भाग लेने तथा अर्हता प्राप्त करने के कारण निविदाओं को अंतिम रूप देने में विलंब, जिसके परिणामस्वरूप बोली का तकनीकी वाणिज्यिक मूल्यांकन धीमा हो गया।
VII. ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया जाना।
VIII. ठेकेदार द्वारा कार्य की धीमी प्रगति।
IX. निष्पादन के दौरान कानूनी मुद्दे और कानून एवं व्यवस्था की समस्याएं।

शेष वॉशरीज को समय पर पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए गए और बाधाओं को दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। नई वॉशरीज की निर्माण गतिविधियों की निगरानी कोयला मंत्रालय द्वारा नियमित आधार पर की जा रही है। सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों ने निम्नलिखित को सुव्यवस्थित किया है-

I. प्रमुख उपलब्धियों और उनकी मध्यवर्ती समय-सीमा की निगरानी की प्रणाली।
II. उन क्षेत्रों को सुव्यवस्थित करने की पद्धतियां जहां देरी हो सकती है।
III. देरी को चिह्नित करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने की प्रणाली।
IV. वानिकी और पर्यावरण जैसी त्वरित वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने के लिए अंतर-विभागीय संपर्क और अनुवर्ती कार्रवाई।
V. भूमि अधिग्रहण और कब्जे के मुद्दों को हल करने के लिए विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकार के प्राधिकारियों के साथ समयबद्ध निगरानी और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।
VI. कोविड महामारी की स्थिति में सुधार करने के लिए सहायता प्रणाली।

(ज): नई कोकिंग कोल वॉशरीज की योजना तैयार की जा रही है। जिसका उद्देश्य स्वदेशी रुप से उपलब्ध उच्च राख वाली सामग्री से युक्त कोकिंग कोयले को इस्पात उद्योग में प्रयोग के लिए उपयुक्त बनाना है जिसके लिए इस्पात उपभोक्ताओं की वांछित गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कच्चे कोयले के राख प्रतिशत को कम किया जाता है।

***